>

Title: Need to implement the Uparsakari river project in Baraliganj, Nawada and Shekhpura districts of Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदया जी, यह समय का बड़ा विरल संयोग है कि जब आप आसन पर होती हैं तो मेरा शून्य प्रहर प्रारम्भ होता है।

महोदया, मैं बिहार के नवादा संसदीय क्षेत्र से आता हूं। जब से आजादी मिली है, 60 वर्षों से उसकी धरती प्यासी है, नदियां प्यासी हैं और धरती की कोख सूनी है। मैं इस अवस्था में बाध्य होकर आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। यह दो राज्यों झारखंड और बिहार का मामला है। ये नदियां अपरसकरी नहर योजना झारखंड से प्रारम्भ होती है और बिहार में हमारे क्षेत्र की ओर आती है। मैं आपके माध्यम से इस सदन में सरकार का ध्यान आकृष्ट करने के लिए इस तथ्य को रख रहा हूं।

बिहार के नवादा जिले में अपरसकरी नदी में डैम बनाकर नहर निकालने, बिजली पैदा करने का प्रश्न पिछले 58 वर्षों से लम्बित पड़ा है। प्रतिवर्ष लाखों क्यूसेक पानी नदी से सागर में चला जाता है, पर किसानों की खेती को उसका एक बूंद पानी भी नसीब नहीं होता। चुनाव के समय राजनीतिक दलों द्वारा जनता को लुभावने नारे देकर उनकी अपेक्षाओं को बढ़ाकर भ्रमित किया जाता है। अब जनता नेताओं की बातों पर विश्वास नहीं करती, आस्था नहीं रखती।

अपरसकरी नहर योजना से 50 हजार एकड़ से ज्यादा जमीन सिंचित हो सकेगी। इससे नवादा के पकड़ीबरामा, काशीचक, शेखपुरा जिले के बरबीघा, शेखपुरा और नालांदा जिले के कई प्रखंडों में खेती की सिंचाई हो सकेगी। वर्ष 1983 में राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्री चन्द्रशेखर सिंह जी ने इस योजना का शिलान्यास कर शुभारम्भ करने का प्रयास किया था, पर यह योजना आकार ग्रहण नहीं कर सकी। नवादा, बरबीघा, शेखपुरा और नालंदा की धरती प्यासी है और राजनीति संवेदनाहीन होकर अट्टाहस कर रही है। इससे उग्रवादी, आतंकवादी संसदीय व्यवस्था के प्रति अनास्था पैदा हो रही है। नवादा में कोई उद्योग, कारखाना नहीं है। खेती ही एकमात्र उनकी जीविका है, वह भी पानी के अभाव में मर रही है और जब खेती मर जाती है तो बाजार मर जाते हैं, संस्कृति और व्यवस्था भी मर जाती है। मैं इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए आग्रह करता हूं कि नवादा और शेखपुरा जिले को विशेष साधन मुहैया कराते हुए, अपरसकरी नदी परियोजना जो बारसलीगंज, बरबीघा, शेखपुरा होते हुए चिरो तक जाती है, का कार्यान्वयन करे। मैं इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं, धन्यवाद।